



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 175]
No. 175]नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 31, 2006/श्रावण 9, 1928
NEW DELHI, MONDAY, JULY 31, 2006/SRAVANA 9, 1928

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 2006

जाँच की शुरुआत

विषय:- चीन जन.गण. और जापान के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पेरोक्सो सल्फेट्स (जिन्हें परसल्फेट्स के नाम से भी जाना जाता है) के आयात से संबंधित पाटनरोधी जाँच की शुरुआत।

1. जाँच शुरुआत

फा. सं. 14/1/2006-डीजीएडी.— चूंकि मै0 गुजरात परसाल्ट्स प्रा.लि., मै. केलीबर कैमिकल्स प्रा. लि., मुम्बई, और मै0 योयो कैमिकल्स अहमदाबाद (जिन्हें एतदपश्चात आवेदक कहा गया है) ने 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली 1995 (जिन्हें एतदपश्चात नियमावली कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष संयुक्त रूप से एक याचिका दायर की है जिसमें चीन जन.गण. और जापान के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पेरोक्सोसल्फेट्स (जिसे परसल्फेट्स के नाम से जाना जाता है और एतदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है और संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए पाटनरोधी जाँच शुरू करने का अनुरोध किया गया है।

2. विचाराधीन उत्पाद

वर्तमान जाँच में विचाराधीन उत्पाद पेरोक्सोसल्फेट्स (जिसे परसल्फेट्स के नाम से भी जाना जाता है) है। आवेदकों ने अनुरोध किया है कि परसल्फेट्स अत्यधिक संबंधित यौगिकों का एक समूह है। वर्तमान आवेदन में तीन किस्म के परसल्फेट्स को शामिल किया गया है, जो इस प्रकार हैं :-

- I) अमोनियम परसल्फेट (एपीएस) (एनएच 4) 2एस2ओ8)
- II) पोटेशियम परसल्फेट (पीपीएस) (के 2एस 2ओ 8); और

III) सोडियम परसल्फेट (एसपीएस) एनए 2एस 2ओ 8) ।

आवेदकों ने अनुरोध किया है कि ये परसल्फेट्स अल्कली धातु लवणों के रूप में उत्पादित अत्यधिक संबंधित यौगिकों का एक समूह है। ये अत्यधिक संवेदनशील और कार्यक्षम ऑक्सीकरण पदार्थ हैं और इनसे अत्यंत कार्यक्षम ढंग एवं सरलता से सक्रिय ऑक्सीजन का निस्सारण होता है। सभी तीनों परसल्फेट्स का विनिर्माण इलेक्ट्रो कैमिकली किया जाता है और वस्त्र एवं रसायन उद्योगों में प्रारंभिक एवं ऑक्सीकरण पदार्थ के रूप में इसके समान एवं प्रतिस्थापनीय अंतिम उपयोग हैं। आवेदकों का यह अनुरोध भी है कि इन उत्पादों को परस्पर प्रतिस्थापनीय माना जाता है और ये अन्य क्षेत्राधिकारों में पाठनरोधी जाँचों के प्रयोजनार्थ एक उत्पाद हैं। उपर्युक्त के महेनजर परसल्फेट्स के सभी तीन प्रकार समान हैं और इन्हें इस मामले में "विचाराधीन उत्पाद" को परिभाषित करने के लिए एक उत्पाद माना गया है।

सभी पर सल्फेट्स को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के अध्याय 28 में उपशीर्ष 283340 के अंतर्गत और भारतीय व्यापार वर्गीकरण (सुमेलीकृत वस्तु विवरण और कोडिंग प्रणाली) के अंतर्गत उपशीर्ष 28334000 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि उपर्युक्त वर्गीकरण मात्र सांकेतिक है और इस जांच के कार्यक्षेत्र पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

3. घरेलू उद्योग और संबंधित योग्यता

यह आवेदन मै0 गुजरात परसल्फेट्स प्रा0 लि0 अहमदाबाद, मै0 केलीबर कैमिकल्स प्रा0 लि0 मुम्बई और मै0 योयो कैमिकल्स अहमदाबाद द्वारा किया गया है और आवेदकों का भारत में संबद्ध वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन में सामूहिक रूप से 50% से अधिक हिस्सा है। इस प्रकार आवेदकों के पास आवेदन करने संबंधी योग्यता है और नियमों के अर्थों के भीतर इस जांच के प्रयोजनार्थ वे घरेलू उद्योग का निर्माण करते हैं।

4. समान वस्तु

आवेदकों ने दावा किया है कि आवश्यक उत्पाद विशिष्टताओं की दृष्टि से भागीदार कम्पनियों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं और संबद्ध देशों से निर्यातित वस्तुओं में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। दोनों उत्पादों में भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्यों एवं प्रयोगों, उत्पाद विशिष्टताओं, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरण आदि जैसे मानदंडों की दृष्टि से तुलनीय विशेषताएं हैं। चीन से तीन किसरों के परसल्फेट्स का आयात किया गया है और सभी तीन प्रकारों का भारत में उत्पादन एवं बिक्री की जाती है। प्रथम: दृष्टया घरेलू उत्पाद आयातित उत्पादों के समान वस्तु प्रतीत होते हैं।

5. सामान्य मूल्य

गैर बाजार अर्थव्यवस्था मान्यता के महेनजर चीन जनवादी गणराज्य में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य का अनुमान इस मान्यता के खण्डन के अधीन नियमावली के अनुबंध - । के पैरा 7 के अनुसार लगाया गया है। प्राधिकारी उपर्युक्त प्रावधान के अनुसार उक्त निर्धारण के प्रयोजनार्थ किसी उचित तीसरे देश को चुन सकते हैं और यथासमय हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित कर सकते हैं।

जापान के मामले में सामान्य मूल्य का अनुमान एसजी एण्ड ए तथा लाभ सहित उत्पादन लागत के अनुमानों के आधार पर लगाया गया है; क्योंकि इस संबंध में घरेलू बिक्री से संबंधित कोई सूचना नहीं है।

6. निर्यात कीमत

अलग-अलग उत्पादों की निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआई एण्ड एस और अन्य गौण स्रोतों से एकत्रित आंकड़ों के आधार पर किया गया है। कारखाना द्वारा स्तर पर निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, निर्यात के देश में अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन हैंडलिंग और पत्तन प्रभारों आदि के बारे में समायोजनों का दावा किया गया है।

7. पाटन मार्जिन

याचिकाकर्ता द्वारा प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए गए सकारात्मक साक्ष्य के आधार पर यह प्रतीत होता है कि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य, भारत को किए जाने वाले निर्यातों की निवल निर्यात कीमत से काफी अधिक है, जिससे प्रथम दृष्टया यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देश के निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है। अनुमान लगाया गया है कि पाटन मार्जिन न्यूनतम स्तर से अधिक है।

8. क्षति और कारणात्मक संबंध

याचिकाकर्ता ने संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा और मूल्य तथा विचाराधीन उत्पादन के संदर्भ में घरेलू उद्योग को हुई क्षति से संबंधित विभिन्न मानदण्डों के संबंध में सूचना उपलब्ध कराई है। समग्र अर्थों और उत्पादों की मांग के संबंध में भी आयातों की मात्रा में वृद्धि; बाजार हिस्से की हानि; कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री; ह्लास और अवमूल्यन; संबद्ध वस्तुओं के विनिर्माण में लाभप्रदता और नकदी की हानि जैसे मानदण्डों से प्रथम दृष्टया यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को संचयी रूप से हानि हुई है।

9. जांच शुरू करना

उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी ने यह पाया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटन, घरेलू उद्योग को क्षति और पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंधी की मौजूदगी के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य हैं और इसलिए प्राधिकारी कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने के लिए, जिसे यदि लगाया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, एतद्वारा उक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार कथित पाटन और उसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच प्रारंभ करते हैं।

10. प्रक्रिया

(क) शामिल देश: वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जनवादी गणराज्य और जापान हैं।

(ख) जांच की अवधि (पीओआई): वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 1/1/2005 से 31/12/2005 तक की है। तथापि क्षति जांच अवधि में वर्ष 2002-2003 से वर्ष 2004-2005 की अवधि और जांच अवधि शामिल होगी।

(ग) सूचना देना: संबद्ध देश के निर्यातकों, उनकी सरकारों में भारत में उनके दूतावासों के जरिए, भारत में ज्ञात आयातकों और प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग से निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित तरीके से संगत सूचना प्रस्तुत करने और अपने विचारों से अवगत कराने के लिए इस पते पर लिखने का अनुरोध किया गया है।

निर्दिष्ट प्राधिकारी
 पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय
 वाणिज्य एवं उद्योग भंत्रालय
 भारत सरकार
 उद्योग भवन
 नई दिल्ली - 110011

कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी नीचे दी गई समय सीमा के भीतर निर्धारित प्रपत्र और पद्धति में जांच से संगत अपने निवेदन प्रस्तुत कर सकती है।

(घ) समय सीमा: वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जाए जो उपर्युक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से चालीस (40) दिनों के भीतर पहुंच जानी चाहिए तथापि वे ज्ञात निर्यातक एवं आयातक जिन्हें अलग से लिखा जा रहा है, वे उन्हें भेजे गए पत्र की तारीख से चालीस (40) दिनों के भीतर सूचना प्रस्तुत कर सकते हैं।

(ङ.) अगोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना:- नियम 6(7) के अनुसार हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्राधिकारी को उपलब्ध कराई गई किसी गोपनीय सूचना का अगोपनीय सारांश उपलब्ध कराना अपेक्षित होता है, और यदि सूचना उपलब्ध कराने वाली पार्टी के विचार में ऐसी सूचना को संक्षिप्त नहीं बनाया जा सकता, तो उसके कारणों को इंगित करते हुए, एक विवरण उपलब्ध कराया जाना अपेक्षित है। कोई हितबद्ध पार्टी दूसरे हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतर वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है। यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है या उचित समय के भीतर उसे उपलब्ध नहीं करती है या जांच में अत्यधिक बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

(च) सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण: नियम 6(7) के अनुसार कोई हितबद्ध पार्टी दूसरी हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय रूपांतर वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है।

क्रिस्टी एल. फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)
NOTIFICATION
New Delhi, the 28th July, 2006
INITIATION

Subject: Initiation of antidumping investigation involving import of Peroxosulphates (also known as Persulphates) originating in or exported from China PR and Japan

1. Initiation

F. No. 14/1/2006-DGAD.— WHEREAS M/s Gujarat Persalts Pvt. Ltd. Ahmedabad, M/s Calibre Chemicals Pvt. Ltd. Mumbai, & M/s Yoyo Chemicals Ahmedabad, (herein after referred to as the Applicants) have jointly filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred as Rules), alleging dumping of Peroxosulphates (also known as Persulphates and herein after referred to as subject goods), originating in or exported from the China PR, and Japan (herein after referred to as subject countries) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods.

2. Product under consideration

The product under consideration in the present application is Peroxosulphates (also known as Persulphates). The applicants have submitted that Persulphates are a group of closely related compounds. Three types of persulphates have been included in the present application, which are:

- I) Ammonium Persulphate (APS), $(\text{NH}_4)_2\text{S}_2\text{O}_8$
- II) Potassium Persulphate (PPS) $(\text{K}_2\text{S}_2\text{O}_8)$; and
- III) Sodium Persulphate (SPS) $(\text{Na}_2\text{S}_2\text{O}_8)$.

The applicants have submitted that these Persulphates are a group of closely related compounds produced as Alkali Metal salts. These are the most sensitive and efficient oxidizing agents and releases active oxygen very efficiently and easily. All the three persulphates are manufactured electrochemically and have the same

2344 GI/06-2

or substitutable end-uses as an initiator and oxidizing agent in the textile and chemical industries. The applicants have also submitted that these products have been treated as inter se substitutable and one product for the purpose of antidumping investigations in other jurisdictions. In view of the above all the three types of persulphates have been treated as alike and one product for the purpose of defining the 'product under consideration' in this case.

All Persulphates are classified in Chapter 28 of the Customs Tariff Act, 1975 under subheading 2833 40 and under subheading 283340 00 under the Indian Trade Classification (Based on Harmonized Commodity Description and Coding system). However, the above classification is indicative only and is no way binding on the scope of this investigation.

3. Domestic industry and Standing

The application has been filed by M/s Gujarat Persalts Pvt. Ltd. Ahmedabad, M/s Calibre Chemicals Pvt. Ltd. Mumbai, & M/s Yoyo Chemicals Ahmedabad, and the applicants collectively account for more than 50% of the total domestic production of the subject goods in India. The applicants, therefore, command the standing for filing the application and constitute the domestic industry for the purpose of this investigation within the meaning of the Rules.

4. Like article

The applicants have claimed that there is no known difference in the subject goods produced by the participating companies and exported from subject countries in terms of essential product properties. Both products have comparable characteristics in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification, etc. Three types of Persulphates have been imported from China and all the three types are produced and sold in India. Prima facie, the domestic products appear to be like articles to the imported products.

5. Normal value

In view of the non-market economy presumption, Normal Value of the subject goods in the Peoples Republic of China has been estimated in terms of para 7 of Annexure 1 to the Rules subject to rebuttal of the presumptions. The Authority may, however, adopt an appropriate third country for the purpose of the above determination in terms of the above provision and notify the interested parties in due course.

Normal value in case of Japan has been estimated on the basis of estimates of cost of production including SG&A and profit, as no information on the domestic selling price is available on this account.

6. Export price

The export price of individual products has been estimated on the basis of data collected from DGCI&S and other secondary sources. Adjustments on account of ocean freight, marine insurance, commission, inland transportation in the Countries of export, port handling and port charges have been made to arrive at the Export Price at ex-factory level.

7. Dumping margin

On the basis of positive evidence placed by the applicants before the Authority it appears that the Normal Values of the subject goods in the subject countries are significantly higher than the net export prices to India, indicating *prima-facie* that the subject goods are being dumped in the Indian market by exporters from the subject countries. The dumping margins are estimated to be above de minimis.

8. Injury and causal link

Petitioners have furnished information on volume and value of dumped imports from the subject countries and various parameters relating to injury to the domestic industry, on account of the product under consideration. Parameters, such as increase in volume of imports, both in absolute terms and in relation to the demand of the products; loss in market share; price undercutting and underselling; Price suppression and depression; profitability and cash loss in the manufacturing of subject goods *prima-facie* indicate that the dumped imports of the subject goods from the subject countries have cumulatively injured the Domestic Industry.

9. Initiation

In view of the above the Authority finds that sufficient *prima facie* evidence of dumping of the subject goods from the subject countries, injury to the domestic industry and causal links between the dumping and injury exist, and therefore, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to

recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

10. Procedure

- a) **Countries involved** The Countries involved in the present investigation are the Peoples Republic of China and Japan
- b) **Period of investigation (POI):** The period of investigation (POI) for the purpose of present investigation is **1.1.2005 to 31.12.2005**. The injury investigation period will however, cover the period 2002-03 to 2004-05 and the POI.
- c) **Submission of information:** The exporters in the subject Countries, their governments through their embassies in India, the importers and users in India known to be concerned, and the domestic industry are requested to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the:

The Designated Authority
Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties
Ministry of Commerce and Industry
Government of India
Udyog Bhavan
New Delhi-110011.

Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

- d) **Time limit:** Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Designated Authority at the address mentioned above not later than **forty (40) days** from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however, required to submit the information within **(40) forty days** from the date of the letter addressed to them.
- e) **Submission of information on Non-confidential basis:** In terms of Rule 6(7), of the Rules the interested parties are required to submit non-

confidential summary of any confidential information provided to the Authority and if in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summarization, a statement of reason thereof is required to be provided. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as it may deem fit.

f) **Inspection of public file:** Any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties in terms of Rule 6 (7).

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority

2344 GI/06-3